मोसंबी

फल का नाम: मोसंबी
वैज्ञानिक नाम: सिट्रस साइनेनसिस
कुल: रुटेसी
दूरी/अंतर: 12x12, 15x15, 16x16, 18x18, 20x20, 10x20 पौधे से पौधे तक और लाइन से लाइन की दूरी (6 फीट नवीनतम)
किस्म: न्यूसेलार्, काटोल गोल्ड, फुले मोसंबी, जैन टिशू कल्चर

मोसंबी के गुण: भारत विश्व में मीठे मोसंबी का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। और महाराष्ट्र भारत में प्रथम स्थान पर है। यह सिट्रस परिवार का पीले हरे रंग का खट्टा-मीठा फल है। खट्टे फल को उसके गूदे और रस के लिए उगाया जाता है, जिसमें कई औषधीय गुण और पोषण मूल्य होते हैं।
उपयुक्त मृदा: मोसंबी की खेती के लिए अच्छी जल निकास वाली हल्की दोमट, मध्यम से काली मिट्टी जिसका पीएच 6.5 -7.5 हो उपयुक्त है। कैलकेरियस मिट्टी के प्रति अत्यधिक संवेदनशील, यदि CaCo3 (चूना पत्थर) 5-7% से अधिक और EC 0.1% से अधिक है, तो इस प्रकार की मिट्टी से बचें, क्योंकि पौधे के जडो की क्षेत्र में कैल्शियम कार्बोनेट की उपस्थिति पौधों के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।
जलवायु: मोसंबी की वृद्धि और विकास के लिए 25 डिग्री सेल्सियस आदर्श तापमान है और तापमान की आवश्यकता 15-35 डिग्री सेल्सियस के बीच होती है। अधिक और अच्छी गुणवत्ता वाली उपज के लिए अत्यधिक तापमान, शुष्क मौसम, तेज़ धूप की आवश्यकता होती है।
उत्पादन: पौधारोपण के अगले साल बाद फूल आने प्रारंभ हो जाते है, लेकिन व्यावसायिक उत्पादन पौधारोपण के 4-5 साल बाद शुरू होता है। पाच साल बाद औसत अपेक्षित उपज 25-30 किलोग्राम/पौधा प्रति वर्ष तक पहुच जाती है ।
प्रमुख कीट: पत्ती लघु, पत्ती खाने वाली और पत्ती लपेटने वाली इल्ली, मिली बग, सिट्रस सिला, एफिड्स, तना छेदक, नींबू तितली।
प्रमुख रोग: गमोसिस, डिकलाइन या डाईबैक, एन्थ्रेक्नोज, सिट्रस कैंकर।

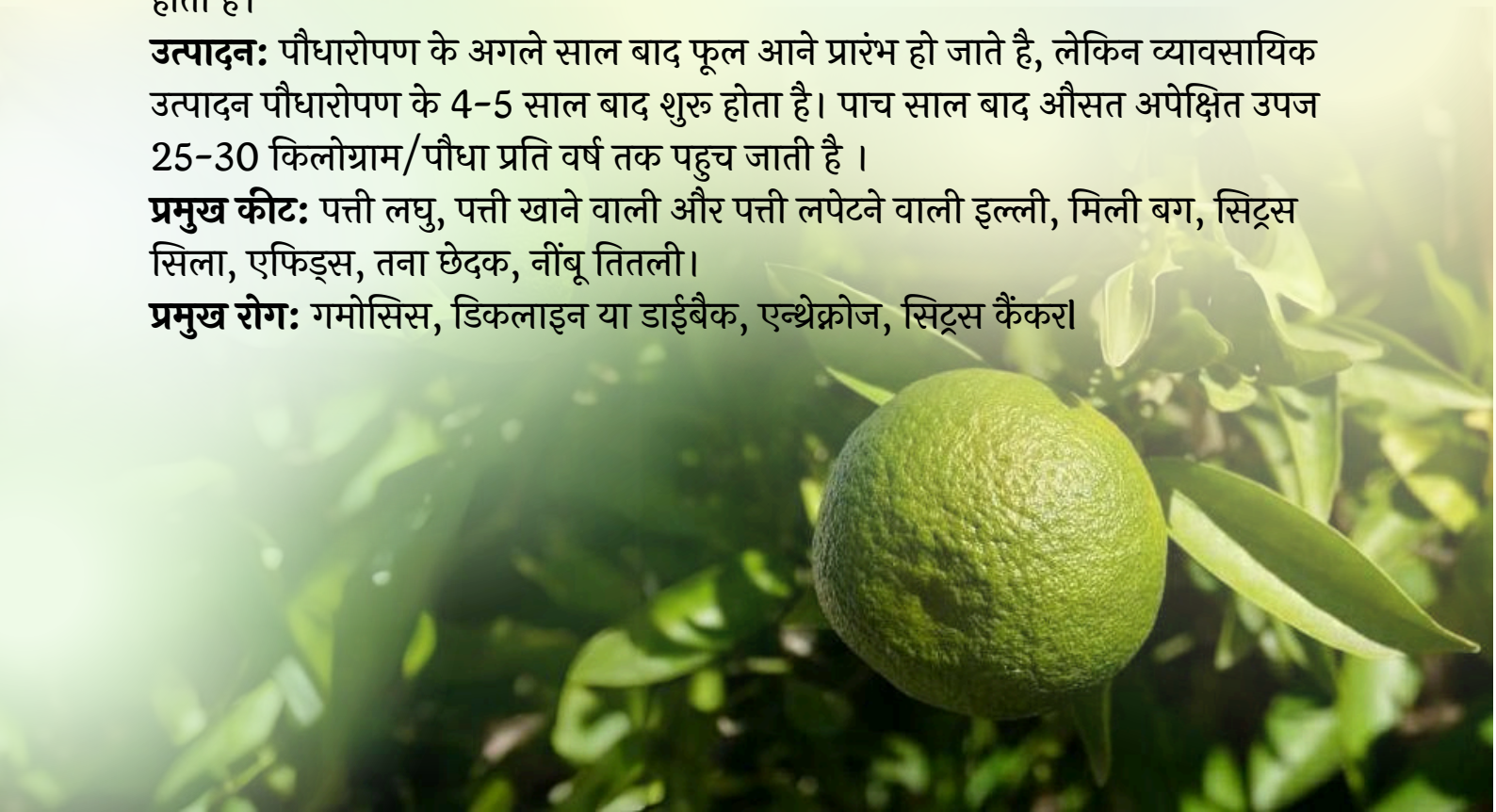

मोसंबी
न्यूसेलार्

किस्म: न्यूसेलार्
रोपण दिनांक: 05/07/2023
दूरी/अंतर: 10x15 पौधे से पौधे तक और लाइन से लाइन की दूरी
रोपण क्षेत्र: 10 R
पौधों की संख्या: 78

न्यूसेलार् की विशेषताएँ: व्यावसायिक उत्पादन के लिए न्यूसेलार् सर्वोत्तम किस्म है। रोग प्रतिरोधी और लंबे समय तक रहने वाली किस्म, पेड़ का अधिकतम फैलाव, बड़ा आकार और उच्च रस प्रतिशत किस्म (200 ग्राम), फल का छिलका पतला और फल परीक्षण में मीठा, फल की मात्रा 9-12 बीज प्रति फल। कटाई के बाद फलों की शेल्फ लाइफ लंबी होती है।

उत्पादन: पौधारोपण के 4-5 साल बाद उत्पादन शुरू होता है, लगभग
25-30 किग्रा/पौधा।

मोसंबी
न्यूसेलार्

किस्म: काटोल गोल्ड
रोपण दिनांक: 05/07/2023
दूरी/अंतर: 10x15 पौधे से पौधे तक और लाइन से लाइन की दूरी
रोपण क्षेत्र: 4.1 R
पौधों की संख्या: 30

काटोल गोल्ड की विशेषताएँ: अधिक उपज देने वाली किस्म, फल अन्य किस्मों की तुलना में बड़े और अधिक आकर्षक होते हैं। फलों के गूदे का रस फलों के प्रसंस्करण के लिए अत्यधिक उपयुक्त है।

उत्पादन: उत्पादन चौथे वर्ष से शुरू होता है, औसत अपेक्षित उपज 60 किलोग्राम/पौधा प्रति वर्ष, 15-18 टन/एकड़ होती है।

मोसंबी
जैन टिशू कल्चर

किस्म: जैन टिशू कल्चर
रोपण दिनांक: 05/07/2023
दूरी/अंतर: 10x15 पौधे से पौधे तक और लाइन से लाइन की दूरी
रोपण क्षेत्र: 4.1 R
पौधों की संख्या: 30

काटोल गोल्ड की विशेषताएँ: अच्छी फल सेटिंग, उच्च अनुवांशिक गुण, वायरल रोगों से मुक्त, कम बीज और उच्च रस प्रतिशत वाली बायो-फोर्टिफाइड किस्म, टेबल और प्रसंस्करण दोनों उद्देश्यों के लिए उपयुक्त।

उत्पादन: पौधारोपण के अगले साल बाद फूल आने प्रारंभ हो जाते है, लेकिन व्यावसायिक उत्पादन पौधारोपण के 4-5 साल बाद शुरू होता है। रोपण के 5 वर्षों के बाद उपज 25-30 किलोग्राम प्रति पौधा तक बढ़ जाती है।

मोसंबी
जैन टिशू कल्चर

किस्म: फुले मोसंबी
रोपण दिनांक:
दूरी/अंतर: 10x15 पौधे से पौधे तक और लाइन से लाइन की दूरी
रोपण क्षेत्र:
पौधों की संख्या:

फुले मोसंबी की विशेषताएँ: इस किस्म को MPKV राहुरी द्वारा 2008 में न्यूसेलार से क्लोनल चयन द्वारा विकसित किया गया। बड़े से मध्यम आकार के फल, अच्छी संरचना और गठन (250 ग्राम), अत्यधिक रसदार फल। अधिक उपज देने वाली किस्म. रोग एवं कीटों के प्रति अत्यधिक सहनशील। महाराष्ट्र के लिए उपयुक्त।

उत्पादन: पौधारोपण के अगले साल बाद फूल आने प्रारंभ हो जाते है, लेकिन व्यावसायिक उत्पादन पौधारोपण के 4-5 साल बाद शुरू होता है। रोपण के 5 वर्षों के बाद उपज 25-30 किलोग्राम प्रति पौधा तक बढ़ जाती है। 10 वर्षों के बाद 60-70 किग्रा/पौधा, 6x6 मीटर वृक्षारोपण पर 20.12 टन/हेक्टेयर/वर्ष।